**दाम्पत्य अधिकारों के प्रत्यास्थापन**

जिला न्यायालय ...............................

वाद सं................... सन .........................

**अबक**  ...............याची

बनाम

**कखग**  ..............प्रत्यर्थी

हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 (1955 की सं. 25) की धारा 9 के अधीन दाम्पत्य अधिकारों के प्रत्यास्थापन के लिए याचिका।

**(1955 की सं. 25)**

**याची निम्नलिखित रूप में प्रार्थना करता है -**

1. एक विवाह ................... में तारीख ................... को पक्षकारों के बीच अनुष्ठापित किया गया। सम्यक रूप से अनुप्रमाणित किये गये हिन्दू विवाह रजिस्टर से एक प्रमाणित उद्धरण/ एक शपथपत्र इसके साथ दाखिल की जाती है।
2. विवाह के पूर्व याचिका दाखिल करने के समय पर विवाह के पक्षकारों की प्रास्थिति तथा निवास स्थान निम्नलिखित रूप में थी –

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| पति | | |
|  | विवाह के पूर्व | याचिका को दाखिल करने के समय पर |
| प्रास्थिति |  |  |
| आयु |  |  |
| निवास स्थान |  |  |
| पत्नी | | |
|  | विवाह के पूर्व | याचिका को दाखिल करने के समय पर |
| प्रास्थिति |  |  |
| आयु |  |  |
| निवास स्थान |  |  |

(क्या एक पक्षकार धर्म से एक हिन्दू है या नहीं, उसका या उसकी प्रास्थिति का एक भाग है। यह भी कथन करे क्या कुंवारा/अविवाहिता, विधवा, (विधुर), या तलाक सुदा]

1. इस पैरा में विशिष्टियाँ और पति एवम् पत्नी के रूप में सहवास का स्थान यदि कोई हो तो दिया जा सकेगा। प्रत्येक शिशु के जन्म की तारीख एवम् स्थान एवम् नाम एवम् लिंग और यह तथ्य कि चाहे जीवित या मृत हो, का विवरण दिया जाना चाहिए।
2. प्रत्यर्थी ने ................... (याची को ज्ञात होने के ज्ञात होने के रूप में ................. के कारण का विवरण दिया जा सकेगा) से युक्ति-युक्त कारण के बिना वापस लिया जा चुका है।
3. याचिका प्रत्यर्थी के साथ दुस्सन्धि में नहीं प्रस्तुत की जाती है।
4. इस याचिका को दाखिल करने में कोई अनावश्यक या अनुचित विलम्ब नहीं हुआ है
5. इसका कोई अन्य कारण नहीं है, क्यों अनुतोष नहीं मंजूर किया जाना चाहिए।
6. किसी पक्षकार द्वारा या उसकी ओर से विवाह के बारे में कोई भी पूर्व कार्यवाही नहीं हुई है।

या

पक्षकारों के द्वारा या उनकी ओर से विवाह के बारे में निम्नलिखित पूर्व कार्यवाही हो गयी है –

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| क्र.सं. | पक्षकारों के नाम | अधिनियम की धारा के साथ कार्यवाही की प्रकृति | मामले की सं. एवं तारीख तथा वर्ष | न्यायालय का नाम एवं अवस्थित | परिणाम |
| 1 |  |  |  |  |  |
| 2 |  |  |  |  |  |
| 3 |  |  |  |  |  |
| 4 |  |  |  |  |  |

1. विवाह का अनुष्ठापन ........................................में हुआ।

या

पति या पत्नी .......................................... में निवास करते थे।

या

पति या पत्नी इस न्यायालय की साधारण सिविल अधिकारिता की स्थानीय परिसीमाओं के अन्दर ................ में साथ-साथ अंत में निवास करते थे।

1. याची प्रत्यर्थी के विरुद्ध दाम्पत्य अधिकारों के प्रत्यास्थापन के लिए एक डिक्री के लिए प्रार्थना करता है।

याची

**सत्यापन**

ऊपर नामित किया गया वादी इस सत्यनिष्ठ प्रतिज्ञान पर यह कथन करता है कि याचिका के पैरा ................. लगायत ................. याची की सर्वोत्तम सूचना एवम् विश्वास में सत्य है।

.................... में इस तारीख .................... को सत्यापित किया गया

स्थान............................. याची